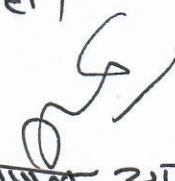


25-4-17 पंजीकार राज उपरी-पत्र वकील वादी उपस्थित  
~~वकील~~ पंजीकार राज द्वारा प्रकरण में  
मा. राजरुब अपील प्राधिकारी श्रीगंगागढ़ से  
जारी ~~अपील~~ रुथजन आदेश की प्रति पेश कर  
कथन किया कि प्रकरण में रुथजन होने के  
कारण पालना की जानी सम्भव नहीं है।

पत्रावली का अवलोकन किया गया बाद  
अवलोकन पत्रावली वर्तमान स्तर पर रबाएज  
की जाती है पत्रावली नंबर से कर की जाकर  
बाद तक मील दायरेबल इफतर है।

  
(यशपाल आहूजा)

उपस्थित प्राधिकारी  
श्रीगंगागढ़

आधिकारिक इकाई  
श्रीगंगागढ़

का संख्याक  
कारों के नाम  
की तारीख  
डिक्री की कोई  
कोई संदाय य  
है तो वह संदा  
पहले कोई अ  
उसकी तिथि व  
की राशि व  
हित या एतद  
नुतोष प्रति डि  
हित  
दि खर्च मदे  
नी गई है तो व  
केसके विरुद्ध  
1. जिम्मे  
2. आदि  
3. धीरे  
वह दंग जि  
(ब) जं  
में प्रार्थना  
की रकम  
वसूल क  
जंगम स  
(ब)  
में प्रार्  
की र  
विक्र  
स्था  
(ग)  
नह  
श  
प्र  
ति